क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय
RNI.No.: GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480 सह संपादक : संदीप मौर्या
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 1 अंक: 305, बुधवार, 05 दिसम्बर, 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

लखनऊ का ये छात्र आस्ट्रेलियन ओपेन का बनेगा हिस्सा

लखनऊ एजेंसी। जनवरी में होने वाले साल के पहले टेनिस ग्रैण्ड स्लैन टूर्नामेंट आस्ट्रेलियन ओपेन में दुनिया के धुरंधर टेनिस खिलाड़ी अपना जलवा बिखरेंगे। इसमें भले ही राजधानी का कोई खिलाड़ी खेलता न नजर आए। पर लखनऊ के नमन मेहता एक अलग भूमिका में नजर आएंगे। नमन देश के उन दस खुशनसीब खिलाड़ियों में एक हैं जो आस्ट्रेलियन ओपेन में बाल किड्स के रूप में चुने गए हैं। एओ बाल किड्स प्रोग्राम के तहत चुने गए इन बच्चों को कंपनी अपने खर्च पर मेलबर्न ले जाएगी।

इस प्रोग्राम में हिस्सा लेने के लिए देश भर के करीब 100 बालक व बालिकाएं चुने गए। अंतिम चयन में दस बच्चों का चयन किया गया। इसमें चार लड़कियां और छह लड़के शामिल हैं। मेलबर्न जाने से पहले कई ग्रैंड स्लैम खिताब जीत चुके भारत की डेविस कप टीम के कप्तान और दिग्गज टेनिस स्टार महेश भूपति इन बच्चों को प्रशिक्षण देंगे। भूपति की देखरेख में ही इन बच्चों का चयन किया गया। इस प्रोग्राम के लिए अक्टूबर में इंट्री मांगी गई थीं। पहले चरण के ट्रायल बेंगलुरू, दिल्ली, मुंबई और कोलकाता में आयोजित किए गए। इन ट्रायल्स में पांच राउंड हुए थे। रोलिंग द बॉल, स्पीड, एजिलिटि टेस्ट, स्पाइडर ड्रिल, थ्रोइंग द बॉल और बेहतर संवाद शामिल।

नमन मेहता ला मार्टिनियर कॉलेज में कक्षा आठ की पढ़ाई कर रहे हैं। वह पिछले तीन-चार साल से विजयंत खण्ड गोमतीनगर में विजय पाठक की देखरेख में ट्रेनिंग कर रहे हैं। नमन के पिता एसके मेहता महाराष्ट्र में कस्टम विभाग में सुपरिटेंडेंट हैं। उन्होंने बताया कि नमन को बचपन से ही टेनिस का शौक है। वह कई टूर्नामेंट में खेल चुका है।

नमन अपने चयन से बेहद खुश हैं। उन्होंने बताया कि उन्होंने सपने में भी नहीं सोचा था कि वह आस्ट्रेलियन ओपेन का हिस्सा बनेंगे। वह इस कार्यक्रम का हिस्सा बनकर अपने को भाग्यशाली मान रहे हैं। उन्हें इस बात की खुशी है वह अपने चहते टेनिस स्टारों को अपनी आंखों से खेलते देख सकेंगे। उन्होंने बताया कि टेनिस के महान खिलाड़ी जान मैकेनरो, रोजर फेडरर, महेश भूपति भी बॉल ब्वायज के रूप में ग्रैण्ड स्लैम टूर्नामेंट में हिस्सा ले चुके हैं।

आस्ट्रेलियन ओपेन में जाने वाला भारतीय दल :

नमन मेहता (मार्टिनियर कॉलेज, लखनऊ), अक्षित चौधरी (जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल, मॉडल टाउन दिल्ली), सोनम दीवान (मिराम्बिका प्री-प्रोग्रेस स्कूल दिल्ली), रिहव ओझा (डीपीएस, वसंत कुंज, दिल्ली), स्वाति मल्होत्रा (दिल्ली पब्लिक स्कूल, रोहिणी), अनन्या सिंह (प्रगति पब्लिक स्कूल, दिल्ली), जेनिका जेसन (सेंट जोसेफ स्कूल, मुंबई), सार्थक गांधी (स्ट्रॉबैरी फील्ड्स हाई स्कूल, चंडीगढ़), एम. वशिष्ट कुमार रेड्डी (सेंट जॉन हाई स्कूल, हैदराबाद), अंतित पिलानिया (सेंट थॉमस स्कूल, बहादुरगढ़) हैं।

लखनऊ-वाराणसी रूट पर 6 दिसंबर से ट्रेनें रहेंगी प्रभावित, बदले हुए मार्ग से चलेंगी ये ट्रेनें

लखनऊ। लखनऊ-वाराणसी रूट पर जल्द ही ट्रेनें तेजी से दौड़ेंगी। अभी इस रूट पर एक ही लाइन है। रेलवे अपने ढांचे को मजबूत करते हुए अब जंघई से वाराणसी रूट पर डबलिंग का काम शुरू करने जा रहा है। इसको लेकर परसीपुर-भदोई और जंघई-वाराणसी सेक्शन के बीच डबलिंग का काम सात दिसंबर से शुरू होगा। उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी दीपक कुमार ने बताया कि आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के लिए रेलवे अपने सभी सिंगल रूट को डबल कर रहा है। इस क्रम में परसीपुर-भदोई और जंघई-वाराणसी सेक्शन पर डबलिंग कार्य के चलते ट्रैफिक ब्लॉक लिया जाएगा।

इलाहाबाद में रविवार को आयोजित राष्ट्रीय शिल्प मेला-2018 में क्लासिकल डांस प्रस्तुत करतीं ओडिशा की नृत्यांगनाएं।

स्त्री शक्ति लॉटरी का रिजल्ट विजेता को मिलेंगे 60

नई दिल्ली एजेंसी। केरल सरकार का लॉटरी विभाग आज स्त्री शक्ति लॉटरी के परिणामों का ऐलान करेगा। इसे साथ ही कुछ विजेताओं की किस्मत बदल जाएगी। इस लॉटरी का पूरा नाम स्त्री शक्ति लॉटरी एसएस-134 है। इस लॉटरी का परिणाम केरल सरकार लॉटरी विभाग की आधिकारिक वेबसाइट httpÑ// www.keralalotteries.com पर उपलब्ध होगा। खबरों के अनुसार यह रिजल्ट शाम 3 बजे के बाद लाइव होगा। और शाम 4 बजे तक इसका परिणाम वेबसाइट पर उपलब्ध करा दिया जाएगा।

प्रथम विजेता को मिलेंगे 60 लाख रुपए-

जानकारी के अनुसार, इस लॉटरी में प्रथम विजेता को 60 लाख रुपए और दूसरे विजेता को 10 लाख रुपए का ईनाम मिलेगा। वहीं तीसरे विजेता को 5000 रुपए मिलेंगे। इसी प्रकार पांच

इस लॉटरी का टिकट 30 रुपए में बिका था जिसे हजारों लोगों ने खरीदा था। लॉटरी के विजेताओं को सलाह है कि वे अपने विजेता लॉटरी नंबर को राज्य सरकार गैजेट में प्रकाशित होने वाली विजेताओं की सूची से मिलान कर लें।

और विजेताओं को सांत्वना के रूप में 8000 रुपए दिए जाएंगे।

आपको बता दें इस लॉटरी का टिकट 30 रुपए में बिका था जिसे हजारों लोगों ने खरीदा था। लॉटरी के विजेताओं को सलाह है कि वे अपने विजेता लॉटरी नंबर को राज्य सरकार गैजेट में प्रकाशित होने वाली विजेताओं की सूची से मिलान कर लें। गैजेट प्रकाशित होने के 30 दिन के भीतर विजेता अपने विजयी होने का दावा कर सकता है। इसके बाद सरकार विजेताओं को उनकी राशि का वितरण टैक्स काटने के बाद करेगी।

यूपी पुलिस सिपाही भर्ती परीक्षा का परिणाम जारी, uppbpb.gov.in पर नहीं दिख रहा लिंक

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश में सिविल पुलिस और पीएसी में सिपाही पद पर भर्ती के लिए हुई लिखित परीक्षा का परिणाम शाम तक घोषित किया जा चुका है। लेकिन उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड की वेबसाइट uppbpb.gov.in पर अभी रिजल्ट का लिंक शो नहीं हो रहा। भर्ती बोर्ड के अधिकारी आरके चुतुर्वेदी ने बताया कि भर्ती बोर्ड की ओर से रिजल्ट कर दिए गए हैं किन्तु, तकनीकी दिक्कतों की वजह से अभी वेबसाइट पर रिजल्ट नजर नहीं आ रहा। इस बाबत कार्यदायी संस्था को अवगत करा दिया गया है।

मामला उपहार अग्निकांड के अभियुक्त सुशील अंसल को पासपोर्ट जारी करने का

क्यों न मामले की जांच सीबीआई को सौंपी जाए

नई दिल्ली एजेंसी। हाईकोर्ट ने दिल्ली पुलिस, पासपोर्ट विभाग व उपहार अग्निकांड में अभियुक्त रहे सुशील अंसल से पूछा है कि क्यों न पासपोर्ट के लिए सही जानकारी नहीं देने के मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी जाए। न्यायमूर्ति नजिमी वजिरी ने तीनों से इसपर 17 दिसम्बर को जवाब देने को कहा है। उन्होंने पुलिस से जांच रिपोर्ट भी पेश करने को कहा है जिसमें गलत जानकारी दी गई थी।

गलत जानकारी देकर पासपोर्ट बनवाने का आरोप लगाते हुए एसोसिएशन ऑफ द विक्टिम ऑफ उपहार ट्रेजडी ने उनके खिलाफ अर्जी दाखिल की है और उसकी जांच सीबीआई से कराने की मांग की है। वर्तमान में सुशील अंसल सहित पासपोर्ट जारी करने में सहयोग करनेवाले पासपोर्ट अधिकारी व दिल्ली पुलिस के अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। सुशील अंसल की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता रिबेका जॉन ने कोर्ट से कहा कि उन्हें वर्ष 1996 में 20 सालों के लिए पासपोर्ट जारी किया गया था। इस बीच उपहार अग्निकांड का मामला आया और उसमें भी उन्होंने सजा पूरी कर ली है। जुर्माने की राशि भी 30 करोड़ रपए अदा कर दी है। अब कोई मामला नहीं बनता है। साथ ही पहले अधूरी जानकारी पर जारी पासपोर्ट को उन्होंने सरेण्डर कर दिया है और पांच हजार रपए जुर्माना अदा कर नया पासपोर्ट जारी करवाया है। पासपोर्ट 2018 में जारी किया गया है। अब उनके खिलाफ कोई मामला नहीं बनता है। वहीं याचिकाकर्ता की ओर से वरीय अधिवक्ता विकास पहवा ने कहा कि वर्ष 2000, 2004, 2013 में गलत जानकारी देकर पासपोर्ट हासिल किया गया था। उन्होंने नए पासपोर्ट जारी करवाने के लिए इस बात को छुपाया कि किसी अदालत से उन्हें समन जारी हुआ है। उनके खिलाफ पूरे देश में 65 मुकदमे लंबित हैं। उन्हें पासपोर्ट जारी करने के लिये एफ कैटोगिरी दे दिया गया जो किसी अति विशिष्ठ व्यक्ति को दी जाती है। यह सब दिखाता है कि पासपोर्ट जारी करनेवाले अधिकारी व जांच कर पुलिस रिपोर्ट देने वाले अधिकारी सुशील अंसल के साथ मिले हुए हैं। इसकी जांच सीबीआई से करायी जाए।

अंसल के अधिवक्ता ने खंडन करते हुए कहा कि उनके खिलाफ तीन ही मुकदमें हैं। वहीं दिल्ली पुलिस के अधिवक्ता ने कहा कि वर्ष 2013 में पासपोर्ट के लिए जांच करने के दौरान कुछ चूक हुई थी।

इसकी जांच चल रही है। जांच कर एक हफ्ते में रिपोर्ट दे दिया जायेगा। इससे पहले की गयी जांच में कोई अनियमितता नहीं बरती गयी है। न्यायमूर्ति ने सभी से बहस सुनने के बाद कहा कि सीबीआई जांच पर अधिकारी व सुशील अंसल जवाब दें।

वो महिला, जिसने जीता था अंडमान में सेंटीनेल द्वीप के आदिवासियों का भरोसा

एचटी। अंडमान-निकोबार के पास सेंटीनेल द्वीप में अमेरिकी टूरिस्ट जॉन चाऊ की हत्या मामले में अभी भी पुलिस के हाथ खाली हैं। 17 नवंबर को अमेरिकी टूरिस्ट जॉन चाऊ की यहां हत्या कर दी गई थी।

पुलिस कई प्रयासों के बावजूद अमेरिकी टूरिस्ट का शव वापस नहीं ला सकी है। पुलिस कुछ दिन पहले शव लेने सेंटीनेल द्वीप के पास पहुंची थी, लेकिन जब देखा कि कुछ आदिवासी पहले ही वहां तीर कमान के साथ तैनात हैं तो वह वहां से वापस लौट आए। भारतीय कानून के अनुसार इस द्वीप में बाहरी लोगों का जाना मना है। सेंटीनेल द्वीप पर रहने वाले आदिवासियों से अभी तक बाहरी दुनिया के लोगों से संपर्क नहीं हुआ है।

30 साल पहले एक महिला आई आदिवासियों के करीब

लेकिन जिस द्वीप पर बाहरी लोगों का जाना मना है, जहां रहने वाले आदिवासियों का बाहरी दुनिया के लोगों से कोई संपर्क नहीं है, जहां जाते ही अमेरिकी टूरिस्ट की हत्या कर दी गई, वहां एक समय में एक भारतीय महिला आदिवासियों का विश्वास जीतने में कामयाब रही थी। इस महिला का नाम है मधुमाला चट्टोपाध्याय। करीब 50 साल की मधुमाला चट्टोपाध्याय नई दिल्ली में सामाजिक न्याय एवं सशक्तिकरण मंत्रालय में काम करती हैं।

'जनजातियां खजाना हैं' : जॉन चाऊ का शव ढूंढ़ने की कोशिश में पुलिस

करीब 30 साल पहले 1989 में एंथ्रोपोलोजिस्ट मधुमाला को अंडमान एवं निकोबार द्वीप में रिसर्च करने के लिए एंथ्रोपोलोजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (एएसआई) की तरफ से एक फेलोशिप मिली थी। मधुमाला वहां 1996 तक रही थीं और उन्होंने वहां हजारों सालों से रह रहीं प्रमुख छह जनजातियों पर एक किताब और शोध पत्र लिखे थे। वर्तमान में अंडमान निकोबार की ये छह जनजातियां आदिम जनजातियां आरक्षित जगह पर रहती हैं।

ग्रेट अंडमानीज़, जारवा, ओंग और सेंटिनेल जनजातियां अंडमान पर और शॉम्पनी व निकोबारीज निकोबार पर रहती हैं। ये जनजातियां आदिम जनजातियां हैं और पूरी तरह से बाहरी दुनिया से कटी हुई हैं। बिना प्रशासन की इजाजत के कोई भी इन लोगों से संपर्क नहीं कर सकता। इसीलिए इन्हें 'अनकॉन्टैक्टेड ट्राइब्स' भी कहा जाता है। आदिवासी पूर्व नव पुरापाषाण काल के लोग हैं। यानी करीब 30 हजार साल से वह पृथ्वी पर ऐसे ही जीवन यापन करते आ रहे हैं। इनके रहन-सहन और खान के तौर-तरीक़े हमारी आधुनिक दुनिया से एकदम अलग हैं। इन जनजातियों के करीब 80 से 150 लोग ही जीवित हैं। अंडमान में अमेरिकी की हत्या: शव लेने गई पुलिस को खाली हाथ लौटना पड़ा

सेंटीनीलीज से प्रशासन का पहला 'फ्रेंडली कॉन्टेक्ट' 4 जनवरी, 1991 को हुआ। हालांकि 1981 में कुछ बचाव टीमों के इनसे फ्रेंडली कॉन्टेक्ट होने के मामले सुनने में आते हैं।

चट्टोपाध्याय ने बताया कि उनकी टीम का नेतृत्व उस वक्त के जनजाति कल्याण विभाग के निदेशक एसए अवारदी कर रहे थे। तब उनकी योजना जनजाति के लोगों को नारियल गिफ्ट करने की थी। उन्होंने कहा, 'तब हम वहां पहुंचे तब हम नहीं जानते थे कि किस चीज से आदिवासियों से हमारा फ्रेंडली कॉन्टेक्ट होगा। ब्रिटिश काल से ऐसी कोशिशें होती रही हैं लेकिन कोई सफल नहीं हो पाया। गिफ्ट छोड़ना और ऑब्जरवेशन जैसे कॉन्ट्रेक्ट हो रहे थे।

' चट्टोपाध्याय ने बताया कि छह माह पहले ही एक कॉन्टेक्ट टीम का स्वागत तीरों से हुआ था। इसलिए 4 जनवरी को जब हमारा जहाज द्वीप के किनारे पर पहुंचा तो हम नहीं जानते थे सेंटीनीलीज हमारे साथ कैसा व्यवहार करेंगे। टीम के कुछ सदस्य नारियल हाथ में लिए अपनी नाव को किनारे पर ले आए थे। सेंटीनीलीज जनजाति के लोग हमें देख रहे थे। कुछ ही देर में वो पानी में चलते हुए आए और हमने नारियल लिए। चट्टोपाध्याय समेत बाकी टीम के सदस्य नाव पर ही थी। उन्होंने नारियलों को किनारे की ओर पानी में बहाना शुरू किया। धीरे धीरे सेंटीनीलीज ने पानी में तैरते हुए उनकी तरफ आना शुरू किया। कुछ नहीं नाव को छुआ। नाव से वह थोड़ा खेलने सा लगे। कुछ ने नारियल लिए और वहां से वापस चले गए। यह संपर्क घंटों तक चला।

>>>> वायु प्रदूषण पर एनजीटी सख्त

दिल्ली सरकार पर 25 करोड़ का जुर्माना लगाया

असहाय बने रहने से नहीं चलेगा काम सीपीसीबी के पास जुर्माना जमा न कराया तो प्रतिमाह 10 करोड़ अतिरिक्त जुर्माना लगेगा

नई दिल्ली एजेंसी। राजधानी की प्रदूषण की समस्या पर रोक लगाने में विफल रहने पर राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (एनजीटी) ने दिल्ली सरकार पर 25 करोड़ रपए का जुर्माना लगाया है। एनजीटी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति आदर्श कुमार गोयल की पीठ ने सरकार से कहा कि वह केंद्रीय प्रदूषण नियंतण्रबोर्ड (सीपीसीबी) के पास 25 करोड़ रपए जमा कराए। उक्त रकम जमा नहीं करायी जाती है तो प्रति माह 10 करोड़ रपए का अतिरिक्त जुर्माना लगाया जाएगा। एनजीटी ने सरकार से कहा कि चाहे तो जुर्माने की राशि संबंधित अधिकारियों व प्रदूषण फैलाने वालों से वसूल सकता है। वह कार्य निष्पादन गारंटी के तौर पर सीपीसीबी के पास 25 करोड़ रपए जमा कराए जिससे सुनिश्चित की जा सके कि इस बाबत उठाये गये कदमों में कोई कमी न हो। पीठ ने कहा कि हमारे आदेश के बावजूद सरकार ने कोई कदम नहीं उठाया। इस वजह से लगातार प्रदूषण फैल रहा है। यह सब अधिकारियों के नाक के नीचे हो रहा है। अधिकारियों ने कदम उठाने के बदले बहाना बनाया और अपने को असहाय दिखाने की कोशिश की, लेकिन कोई कदम नहीं उठाया। खुले में कूड़े में आग लगाने पर पूरी तरह पाबंदी है। इसके बावजूद जगह-जगह कूड़ा जलाया जाना आम बात है।एनजीटी ने कहा कि उसके गठन के साढ़े चार वर्ष बाद भी पीड़ित पक्षों की शिकायत यह है कि प्लास्टिक के अनियमित निस्तारण के कारण प्रदूषण लगातार जारी है।

सौदे में देरी पर नौसेना ने की है यह कार्रवाई

रिलायंस की 3000 करोड़ की बैंक गारंटी जब्त

नई दिल्ली एजेंसी। नौसेना ने दंडात्मक कार्रवाई करते हुए 3,000 करोड़ रपए के सौदे में रिलायंस नैवल इंजीनियरिंग लि.(आरएनईएल) की बैंक गारंटी को भुना लिया है। रिलायंस नैवल इंजीनियरिंग द्वारा पांच समुद्री गश्ती नौकाओं की आपूत्तर में जरूरत से ज्यादा देरी के लिए नौसेना ने यह कार्रवाई की है। नौसेना ने यह भी कहा है कि वह इस करार की जांच कर रही है। सूत्रों के अनुसार बैंक गारंटी कुल अनुबंध राशि का 10 प्रतिशत है। नौसेना प्रमुख एडमिरल सुनील लांबा ने सोमवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि आरएनईएल को कोई तरजीह नहीं दी गई है। उसकी बैंक गारंटी को भुना लिया गया है।

उसके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की गई है। इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा रहा है। नौसेना प्रमुख से कंपनी द्वारा गश्मी नौकाओं की आपूत्तर में अत्यधिक विलंब के बारे पूछा गया था। उनसे यह भी सवाल किया गया कि क्या कंपनी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करने के लिए किसी तरह का दबाव डाला गया है। एडमिरल लांबा ने कहा कि यह सौदा अभी रद्द नहीं किया गया है।

विचार

शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे की अयोध्या यात्रा ने सिर्फ भाजपा को ही नहीं खुद उनको भी कटघरे में खड़ा किया है। सवाल यह है कि केंद्र सरकार पर सोते रहने का आरोप लगाने वाले उद्धव यह क्यों नहीं बता रहे हैं कि उन्हें इतने दिनों तक राम मंदिर की याद क्यों नहीं आई? उद्धव ठाकरे जिस उद्देश्य पूर्ति के लिए अयोध्या की यात्रा पर आए थे, वह पूरा हुआ या नहीं, इसका पता आने वाले दिनों में चलेगा।

उद्धव ठाकरे की अयोध्या राजनीति

जबसे शिवसेना ने घोषणा की थी कि उसके प्रमुख उद्धव ठाकरे अयोध्या का दौरा करेंगे, तभी से ही इसका कई दृष्टिकोणों से विश्लेषण हो रहा था। यह प्रश्न उठ रहा था कि अयोध्या जाने का निर्णय उनको क्यों करना पड़ा? बाल ठाकरे के स्वर्गवास के बाद शिवसेना की कमान थामे उनको छह वर्ष हो गए। इस बीच उनको अयोध्या आने की याद नहीं आई। अचानक उनकी अंतरात्मा में श्रीराम भक्ति पैदा हो गई हो तो अलग बात है। किंतु जिसके अंदर भक्ति पैदा होगी वह तिथि तय करके, उसकी पूरी तैयारी कराके नहीं आएगा। 24 नवंबर को उनके अयोध्या पहुंचने के काफी पहले से उनके 22 सांसद, लगभग सभी विधायक एवं प्रमुख नेता अयोध्या में उनके कार्यक्रमों की तैयारी तथा माहौल बनाने में जुटे थे। अयोध्या को इन्होंने शिवेसना के भगवा झंडे तथा नारों से पाट दिया था। शिवेसना की हैसियत या उद्धव ठाकरे का वैसा जन आकर्षण नहीं है कि उनके दर्शन या स्वागत के लिए भारी भीड़ उमड़ पड़े। महाराष्ट्र से आए शिवेसना के उत्साही कार्यकर्ताओं ने कुछ समय के लिए वातावरण को उद्धवमय बनाने में आंशिक सफलता पाई। लक्ष्मण किला में पूजा व सरयू घाट पर आरती करते उद्धव, उनकी पत्नी तथा पुत्र की तस्वीरें लाइव हमारे पास आतीं रहीं। प्रश्न है कि क्या इतने से उनका उद्देश्य पूरा हो गया?

इस प्रश्न के उत्तर के लिए समझना होगा कि उनका उद्देश्य था क्या? अयोध्या आने के पहले मुखपत्र सामना में उन्होंने केंद्र सरकार पर ही नहीं हिंदू संगठनों पर भी तीखा प्रहार किया था। कहा गया कि मन की बात बहुत हो गई अब जन की बात हो। हिन्दू संगठनों से पूछा गया था कि मेरे अयोध्या आने से उनको परेशानी क्यों हो रही है? यह पूछा गया था कि लगातार मांग करने के बावजूद सरकार अयोध्या पर चुप्पी क्यों साधी हुई है? बहुत सी बातें थी जिसे हम शिवसेना शैली मान चुके हैं। लक्ष्मणकिला में पूजा में उपस्थित प्रमुख संतों को देखकर उनका आत्मविश्वास भी बढ़ा होगा। इसके बाद उन्होंने अपने संक्षिप्त भाषण में केंद्र सरकार के बारे में कह दिया कि कुंभकर्ण तो छह महीना सोता था और उसके बाद जगता था यह तो स्थायी रूप से सोने वाला कुंभकर्ण है जिसे मैं जगाने आया हूं। यह कह कर कि सीना से कुछ नहीं होता उसमें दम होना चाहिए, दिल चाहिए, हृदय चाहिए और वह मर्द का होना चाहिए उन्होंने सीधे प्रधानमंत्री पर हमला किया। मंदिर वहीं बनाएंगे तारीख नहीं बताएंगे नहीं चलेगा हमें तारीख चाहिए। एक सहयोगी दल के नाते यह सरकार के मुखिया पर अविश्वास एवं तीखा प्रहार था। उसके बाद मांग वही थी, अध्यादेश या विधेयक लाएं। 25 नवंबर की पत्रकार वार्ता भी उनकी अत्यंत संक्षिप्त थी। उनको एवं रणनीतिकारों को पता था कि पत्रकार अनेक असुविधानजनक सवाल पूछेंगे जिनका उत्तर देना कठिन होगा। इसलिए एक छोटा वक्तव्य तथा तीन सवालों का जवाब देकर खत्म कर दिया। यह सवाल पूछा गया था कि उत्तर भारतीयों पर हमले होते हैं तो आप चुप रहते हैं जिसका वो संतोषजक जवाब दे नहीं सकते थे। आखिर राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के पूर्व आरंभिक दिनों में शिवेसना भी यही करती थी।

बहरहाल, उद्धव अपना संदेश देकर वापस चले गए। उन्होंने संत समिति द्वारा आयोजित विशाल सभा में भाग लेने की कोशिश भी नहीं की। उस पर एक शब्द भी नहीं बोला। यह भी उनकी स्वयं को सबसे अलग दिखाने रणनीति थी। शिवसेना एवं स्वयं उद्धव बालासाहब के बाद पहचान की वेदना से गुजर रहे हैं। बालासाहब ने परिस्थितियों के कारण क्षेत्रीयतावाद से निकलकर प्रखर हिंदुत्ववादी नेता की छवि बना ली थी। उनकी वाणी में जो प्रखरता और स्पष्टता थी उद्धव उससे वंचित हैं। हिंदुत्व के आधार पर ही शिवसेना राजनीति में प्रासंगिक रह सकता है तथा उद्धव भी। उद्धव के नेतृत्व में शिवसेना अंतर्विरोधी गतिविधियो में संलग्न रही है। जैन समुदाय के पर्व के समय मांस बिक्री पर प्रतिबंध का विरोध करते हुए शिवसैनिकों ने स्वयं मांस के स्टॉल लगाकर बिक्री की। ऐसे अनेक उदाहरण हैं जिनसे पता चलता है कि शिवसेना भाजपा पर प्रहार करती है, लेकिन अपनी कोई निश्चित वैचारिक दिशा ग्रहण नहीं कर पा रही है। भाजपा से अलग दिखाने के प्रयासों में उसकी स्वयं की विश्वसनीयता और जनाधार पर असर पड़ा है। इस कारण शिवसैनिकों की आक्रामकता में भी कमी दिख रही है।

इसका राजनीतिक असर भी हुआ है। भाजपा महाराष्ट्र में उसके छोटे भाई की भूमिका में थी। आज वैसी स्थिति नहीं है। साल 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को 23 क्षेत्रों मे विजय मिली, जबकि शिवसेना को 18 में। यह परिणाम यथार्थ का प्रमाण था। किंतु शिवेसना उसे मानने को तैयार नहीं थी। शिवेसना ने कहा कि भाजपा की सीटें इसलिए ज्यादा हो गई क्योंकि हमारे मत उसके उम्मीदवारों को मिल गए हमारे उम्मीदवारों को उनके पूरे मत नहीं मिले। यह विश्लेषण सही नहीं था। बाद में अपने को साबित करने के लिए विधानसभा चुनाव में शिवसेना ने गठबंधन तोड़ दिया। जब परिणाम आया तो भाजपा ने 122 विधानसभा सीटों पर विजय पाई जबकि शिवसना 63 में सिमट गई। उसके बाद स्थानीय निकाय चुनावों में भी भाजपा का प्रदर्शन शिवसेना से बेहतर रहा। शिवसेना अपनी स्थिति को मान ले तो शायद शांति से वह भाजपा के साथ मिलकर गठबंधन के नाते बेहतर एकजुट रणनीति बना सकती है। किंतु प्रदेश में बड़ा भाई बने रहने की उसकी सोच ऐसा होने के मार्ग की बाधा है। बालासाहब की अपनी छवि थी, जो उन्होंने परिस्थितियों के अनुरूप मुखर बयानों, सही रणनीतियों तथा कर्मों से बनाई थी। भाजपा उनका सम्मान करती थी। उन्होंने गठबंधन होने के बाद उद्धव और उनके साथियों की तरह कभी भाजपा पर प्रहार नहीं किया। अटलबिहारी वाजपेयी एवं लालकृष्ण आडवाणी से उनके व्यक्तिगत रिश्ते थे। संघ के अधिकारियों से भी वे संपर्क में रहते थे। उद्धव ऐसा नहीं कर पा रहे हैं और अपनी अलग पहचान बनाने की अकुलाहट में प्रदेश एवं केंद्र सरकार में होते हुए भी वे एवं उनके लोग विपक्ष की तरह आक्रामक बयान दे रहे हैं।

उनके अयोध्या आगमन को इन्हीं परिप्रेक्ष्यों में देखना होगा। श्रीराम मंदिर निर्माण की इच्छा उद्धव ठाकरे के अंदर होगी, लेकिन यह यात्रा राजनीतिक उद्देश्य से किया गया था। अयोध्या का मामला संघ, संत समिति एवं विश्व हिंदू परिषद के कारण फिर चरम पर पहुंच गया है। उद्धव को लगा है कि प्रखर हिंदुत्व नेता की पहचान तथा पार्टी के निश्चित विचारधारा का संदेश देने के लिए यह सबसे उपयुक्त अवसर है। इसमें रास्ता यही है कि भाजपा को राममंदिर पर कठघरे में खड़ा करो और स्वयं को इसके लिए पूर्ण समर्पित। यही उन्होंने अयोध्या में किया। उन्होंने कहा कि भाजपा चुनाव के समय राम-राम करती है और चुनाव के बाद आराम। उसके बाद वे और तल्ख हुए। कह दिया कि भाजपा रामलला हम आएंगे मंदिर वहीं बनाएंगे को पूरा करे या लोगों को कह दे कि यह भी चुनावी जुमला था। उन्होंने बार-बार अयोध्या आने का ऐलान किया। देखना होगा कि आगे वे आते हैं या नहीं। किंतु साफ है कि जब तक केंद्र सरकार कोई कदम नहीं उठाती वो इसी तरह आक्रामकता प्रदर्शित करते रहेंगे। किंतु उद्धव भूल गए कि भाजपा की तरह वे भी कठघरे में हैं। यह सवाल उन पर भी उठेगा कि इतने दिनों तक उन्हें श्रीराम मंदिर निर्माण की याद क्यों नहीं आई? अयोध्या आकर पूजा, आरती की औपचारिकता तथा मंदिर के लिए अध्यादेश की मांग कर वे बालासाहब की तरह छवि नहीं पा सकते।

अवधेश कुमार
(वरिष्ठ पत्रकार और स्तंभकार)

राज-विचार

पाक पर नरमी बंद करे चीन

अमेरिका से आर्थिक मदद रुकने के बाद पाकिस्तान के संकट को उबारने चीन आगे आया है। चीन ने कहा है कि वह पाक को मंझधार में नहीं छोड़ सकता है। चीन की यह नीति सिर्फ भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के लिए भी घातक सिद्ध हो सकती है।

पिछले महीने कराची स्थित चीन के दूतावास में हुए आतंकी हमले के बाद लगा था कि पाकिस्तान को लेकर चीन सख्ती बरतेगा और उसे पोषित करने की नीति पर विराम लगाएगा, मगर ऐसा कुछ नहीं है। अपने ही दूतावास पर हमला झेलने के बाद चीन की मंशा क्या है, यह समझ से परे है। अमेरिका द्वारा पाकिस्तान की आर्थिक मदद रोकने के बाद चीन ही एकमात्र ऐसा देश है, जो उसके साथ खड़ा है। चीन ने कहा है कि वह पाकिस्तान को मंझधार में नहीं छोड़ेगा और उसकी आर्थिक स्थिति को सुधारेगा। बता दें कि हाल ही में पाक की मुद्रा में तेजी से अवमूल्यन हुआ है और भारत के मुकाबले उसकी मुद्रा आधे से भी कम रह गई है। गौरतलब है कि पिछले महीने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने चीन का दौरा किया था ताकि अपने देश की असफल आर्थिक स्थिति को दूर करने के लिए वह वहां से आर्थिक पैकेज प्राप्त कर सकें। लौटने पर उनके कैबिनेट सदस्यों ने दावा किया कि यह यात्रा सबसे सफल थी और इसकी वजह से बकाया के लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष पर इस्लामाबाद की निर्भरता को कम करने में मदद मिली थी।

बीते कुछ वर्षों में पाकिस्तान ने काफी कर्ज लिया है और इसका सबसे बड़ा हिस्सा उसने चीन से लिया है। चीन की कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं पाकिस्तान में चल रही हैं। हालांकि अब चीन ने फैसला किया है कि वह पाकिस्तान को कोई नकदी नहीं देगा। चीन का कहना है कि बड़े वित्तीय संकट का सामना कर रहे पाकिस्तान को लोन देने के बजाय वह वहां कई क्षेत्रों में निवेश करेगा और व्यवसाय भी लॉन्च करेगा। चीन के इस कदम को उसकी विस्तारवादी नीति से जोड़कर देखा जा सकता है। पाक की आर्थिक मदद कर चीन जो संदेश देना चाह रहा हो, मगर यह भारत के हित में बिल्कुल नहीं है। अगर चीन इसी तरह पाक की मदद करता रहा तो भारत की उस पर वैश्विक दबाव बनाने की रणनीति असर नहीं दिखा पाएगी और वह आतंकवाद को पोषित करता रहेगा। हाल ही में अमेरिका से आर्थिक पाबंदी लगने के बाद पाकिस्तान की हालत खस्ता हो गई है। उसकी मुद्रा लगभग रसातल में जाती हुई प्रतीत हो रही है। अगर यह क्रम अगले कुछ दिनों तक जारी रहता तो पाक को मन मारकर ही सही, आतंकवाद पर लगाम कसनी पड़ती। यह सिर्फ भारत और दूसरे देशों के लिए ही नहीं बल्कि चीन के लिए भी लाभदायक होता।

पाकिस्तान में पनप रहे आतंकवाद की आग से अब चीन अछूता नहीं रहा है। वहां के प्रधानमंत्री इमरान खान चीन को चाहे जो ख्वाब दिखाएं, मगर सच यह है कि आतंकवाद फायदा-नुकसान देखे बिना अपने काम को अंजाम देता है। ऐसा नहीं है कि खतरा सिर्फ चीन को है, पाक के लिए भी अपना अस्तित्व खाने का खतरा मंडरा रहा है। चीन की कर्ज नीति का हश्र कई देश देख चुके हैं। अब यही वह पाक के साथ कर रहा है। लेकिन सच यह है कि चीन और पाक जिस रास्ते पर बढ़ रहे हैं, उसमें भला किसी का भी नहीं है।

समुद्री जीवन पर मंडराता खतरा

वायु प्रदूषण से अब न केवल मानव प्रभावित हो रहा है बल्कि समुद्री जीवन भी पूरी तरह विषैला बनता जा रहा है। स्पेन के वैज्ञानिकों की मानें तो जीवाश्म ईंधन का उपयोग, औद्योगिक कार्बन उत्सर्जन और जंगल की आग इत्यादि से समुद्री जीवन जहरीला बन रहा है। इन वैज्ञानिकों का कहना है कि इनसे उत्सर्जित पॉलीसाइक्लिक एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन्स यानी पीएएचएस नामक घातक रसायन की मात्रा समुद्र में लगातार बढ़ रही है और समुद्री जीवों का अस्तित्व संकट में पड़ गया है। वैज्ञानिकों का कहना है कि इसके पीछे 90 हजार टन पीएएचएस का उत्सर्जित होना है। उल्लेखनीय है कि पीएएचएस सौ से अधिक घातक रसायनों का समूह होता है, जो कि जीवाश्म ईंधन और लकड़ी के जलने से वातावरण में उत्सर्जित होता है और इन्हें जानलेवा प्रदूषक तत्वों की श्रेणी में रखा गया है। स्पेन के वैज्ञानिकों ने बायो हेस्पिराइट्स नाम समुद्री शोध जहाज से ब्राजील, अफ्रीका, आस्ट्रेलिया व हवाई द्वीप समेत कई देशों की समुद्री यात्रा कर आंकड़ों में सहेजा है। जांच में टीम को 64 पॉलीसाइक्लिक एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन्स मिले हैं जो अटलांटिक, प्रशांत और हिंद महासागर में पाए गए। इनमें से कुछ अत्यंत विषैले हैं जो समुद्र को जहरीला बनाने का काम कर रहे हैं।

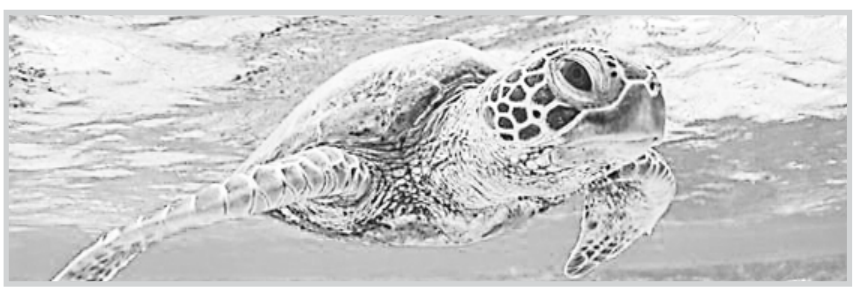

वैज्ञानिकों का कहना है कि इनसे उत्सर्जित पॉलीसाइक्लिक एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन्स यानी पीएएचएस नामक घातक रसायन की मात्रा समुद्र में लगातार बढ़ रही है और समुद्री जीवों का अस्तित्व संकट में पड़ गया है। इसलिए उचित होगा कि समुद्री प्रदूषण से निपटने के लिए वैश्विक स्तर पर कानून बने और उस पर ईमानदारी से अमल हो। ताकि समुद्री जीवन सुरक्षित रह सके और समुद्र हमारे लिए खतरा उत्पन्न न कर पाए।

वैज्ञानिकों का कहना है कि पीएएचएस की प्रति महीने उत्सर्जन की मात्रा इतिहास के सबसे बड़े तेल रिसाव की घटना से चार गुना अधिक खतरनाक है। गौरतलब है कि 2010 में मैक्सिको की खाड़ी में एक लाख वर्ग किलोमीटर से भी बड़े समुद्री क्षेत्र में तेल के कुएं से रिसाव हुआ। उसमें करीब 50 लाख बैरल तेल समुद्र में बह गया। 1967 में टॉरी कैन्यन नाम के ऑयल टैंकर के दुर्घनागस्त हो जाने और 1967 में ही कैलिफोर्निया के तटीय इलाके में सैंटा बारबरा के तेल रिसाव की घटना भी दुनिया का ध्यान आकर्षित कर चुकी है। तेल रिसाव के घातक परिणाम समुद्री जीवों के लिए खतरनाक है। कच्चे तेल में मौजूद पॉलीसाइक्लिक एरौमैटिक हाइड्रोकार्बन्स को साफकरना कठिन कार्य होता है। अगर यह साफ नहीं हुआ तो कई वर्षों तक तलछट और समुद्री वातावरण को जहरीला बनाए रखता है। अब यह तथ्य भी सामने आ रहा है कि मालवाहक जहाजों द्वारा जानबूझकर अवैध कचरे यानी कूड़ा-कबार समुद्र में छोड़ा जा रहा है जबकि विदेशी और घरेलू नियमों के तहत ऐसे कार्य प्रतिबंधित हैं।

अनुमान के मुताबिक कंटेनर ढोने वाल मालवाहक जहाज तूफानों के दौरान हर वर्ष समुद्र में दस हजार ज्यादा कंटेनर खो देते हैं और उनमें लदा तेल समुद्री जीवों के जीवन पर भारी पड़ता है। तेल रिसाव के अलावा जहाज ध्वनि प्रदूषण भी फैलाते हैं जिससे जीव-जंतु परेशान होते हैं। इसके अलावा स्थिरक टैंकों से निकलने वाला पानी भी हानिकारण शैवाल एवं अन्य तेजी से पनपने वाली कई आक्रामक प्रजातियों को फैलाने में मददगार साबित होता है। वैज्ञानिकों ने माना है कि समुद्र में लिया गया और बंदरगाहों पर छोड़ा गया स्थिरक पानी अवांछित असाधारण समुद्री जीवन का मुख्य स्रोत है। मीठे पानी में पाए जाने वाले आक्रामक जेबरा शंबुक जो मूल रूप से ब्लैक, कैस्पियन और एजोव सागरों में पाए जाते हैं, अमेरिका और कनाडा के बीच पायी जाने वाली पांच बड़ी झीलों तक पहुंच चुके हैं। प्रमुख समुद्री वैज्ञानिक मीनिस्ज की मानें तो समुद्री पारिस्थितिक तंत्र को हानि पहुंचाने वाली अकेली आक्रामक प्रजाति की ही बात करें तो सबसे बुरे उदाहरणों में से खतरनाक नीमियोप्सिस लीडयी कॉम्ब जैलीफिश की प्रजाति है जो इस कदर फैली है कि कई खाड़ियों तक पहुंच चुकी है।

1982 में पहली बार इसका पता चला और माना जाता है कि यह कालासागर में किसी जहाज के स्थिरक पानी के जरिए पहुंची। मौजूदा समय में यह प्रजाति स्थानीय मत्स्य उद्योग के लिए सिरदर्द बन गयी है। उदाहरण के लिए वर्ष 1984 में एंकवी मछली की पकड़ 204,000 टन थी जबकि वर्ष 1993 में घटकर 200 टन रह गई। इसी तरह स्प्रैट 1984 में 24 हजार 600 टन पकड़ी गई, जो घटकर 1993 में 12 हजार टन रह गई। हॉर्स मैकेरल जो 1984 में 4000 टन पकड़ी गई थी वह 1993 में एक भी नहीं मिली। अब जब जैलीफिश ने मछलियों के डिब्बों सहित प्राणीमन्दप्लवकों को लगभग खत्म कर दिया है तो इनकी संख्या नाटकीय ढंग से गायब हो गयी है, लेकिन वैज्ञानिकों की मानें तो यह अब भी पारिस्थितिक तंत्र के विकास को बढ़ने से रोके हुए है। समुद्री वैज्ञानिकों का कहना है कि अगर समय रहते ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले दिनों में आक्रामक प्रजातियां पहले से ज्यादा क्षेत्रों में अपना विस्तार व नई बीमारियां फैलाने के साथ नए आनुवंषिक पदार्थों की शुरुआत कर सकती है। यह आक्रामक प्रजातियां अमेरिका में ही सालाना 138 बिलियन डॉलर के राजस्व और प्रबंधन घाटे की वजह हैं। एक अन्य शोध में यह भी दावा किया गया है कि प्रशांत महासागर के एक बड़े क्षेत्र के समुद्री जल में ऑक्सीजन की मात्रा घट रही है।

यह शोध जार्जिया इंस्टीट्यूट ऑफटेक्नोलॉजी में किया गया है। इसके पीछे भी एशियाई क्षेत्र से उत्पन वायु प्रदूषण को ही जिम्मेदार ठहराया गया है। गहरे समुद्र में यह संकट अधिक तेजी से बढ़ रहा है जिससे समुद्री जीवन के लिए खतरा उत्पन हो गया है। वैज्ञानिकों का कहना है कि समुद्री प्रदूषण तब होता है जब रसायन, कण, औद्योगिक, कृषि रिहायशी कचरा या आक्रामक जीव समुद्र में प्रवेश करते हैं और हानिकारक प्रभाव उत्पन करते हैं। समुद्री पदूषण के अधिकांश स्रोत थल आधारित होते हैं। समुद्री प्रदूषण अकसर कृषि अपवाह या वायु प्रवाह से पैदा हुए कचरे जैसे अस्पष्ट से होता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि जहरीले रसायन सूक्ष्मकणों से चिपक जाते हैं जिनका सेवन प्लवक और नितल जीव समूह करते हैं, जिनमें से ज्यादतर तलछट या फिल्टर फीडर होते हैं। इस तरह जहरीले तत्व समुद्री पदार्थ क्रम में अधिक गाढ़े हो जाते हैं। कई कण भारी ऑक्सीजन का इस्तेमाल करते हुए रासायनिक क्रिया के जरिए मिश्रित होते हैं और इससे खाड़ियां ऑक्सीजन रहित हो जाती हैं।

आमतौर पर समुद्र में प्रदूषण के तीन रास्ते हैं। एक, महासागरों में कचरे का सीधा छोड़ा जाना, दूसरा वर्षा के कारण नदी-नालों में अपवाह से और तीसरा वातावरण में छोड़े गए प्रदूषकों से। समुद्र में प्रदूषण के लिए सबसे आम रास्ता नदियां हैं। समुद्र में पानी का वाष्पीकरण सबसे ज्यादा होता है। संतुलन की बहाली महाद्वीपों पर बारिश के नदियों में प्रवेश और फिर समुद्र में वापस मिलने से होती है। उदाहरण के लिए न्यूयॉर्क में हडसन और न्यूजर्सी में रैरीटेन जो स्टेटन द्वीप के उत्तरी और दक्षिणी सिरों में समुद्र में मिलती है जिससे समुद्र में प्राणी मंदप्लवक यानी कोपपॉड के पारा प्रदूषण का स्रोत है। तय प्वाइंट प्रदूषण तब होता है जब प्रदूषण का इकलौता, स्पष्ट व स्थानीय स्रोत मौजूद हो। इसका उदाहरण समुद्रो में औद्योगिक कचरे और गंदगी का सीधे तौर पर छोड़ा जाना है। इस तरह का प्रदूषण विकासशील देशों में ज्यादा देखने को मिलता है।

अतः उचित होगा कि समुद्री प्रदूषण से निपटने के लिए वैश्विक स्तर पर कानून बने और उस पर ईमानदारी से अमल हो। 1950 के दशक की शुरुआत में समुद्र के कानून को लेकर हुए संयुक्त राष्ट्र के कई सम्मेलनों में समुद्री प्रदूषण पर चिंता व्यक्त की गई। 1972 के स्टॉकहोम में मानव पर्यावरण पर हुए संयुक्त राष्ट्र के सम्मेलन में भी समुद्री प्रदूषण पर चर्चा हुई। इसी वर्ष समुद्री प्रदूषण रोकने के लिए कचरे एवं अन्य पदार्थों के समुद्र में फेंके जाने को लेकर एक संधि पत्र पर हस्ताक्षर हुए जिसे लंदन समझौता भी कहा जाता है, लेकिन समुद्री प्रदूषण रोकने के सभी पुराने कानून नाकाफी साबित हो रहे हैं। ऐसे में आवश्यक कि नए समुद्री कानून गढ़े जाएं ताकि समुद्री जीवन सुरक्षित रह सके।

अरविंद कुमार सिंह
(स्वतंत्र टिप्पणीकार)

ट्विटर

पाकिस्तान के भुगतान संकट का संतुलन प्रभावी ढंग से सुधार लिया गया है। हमारी मदद के लिए कई देश आगे आए हैं। जिसमें चीन भी है। हम चीन का भरोसा नहीं तोड़ेंगे।

असद उमर, वित्त मंत्री पाक

चीन की कर्ज नीति को पाक समझ नहीं पा रहा है और जब तक समझेगा तक तब उसके हाथ कुछ नहीं लगेगा। वैसे, चीन भी आदत से बाज आ जाए, तो यह दुनिया के लिए बेहतर होगा।

मारुफ रजा, सामरिक विशेषज्ञ

सत्यार्थ

नादिरशाह की सादगी

करनाल के विशाल मैदान में मोहम्मद शाह की सेना नादिरशाह के हाथों बुरी तरह पराजित हो गई थी। विजयी नादिरशाह जीत का सेहरा बांध कर दिल्ली पहुंचा। वहां उसका जोरदार स्वागत किया गया। इसी बीच नादिरशाह को प्यास लगी और उसने पानी पीने की इच्छा जता दी। मोहम्मद शाह ने पानी लाने का संकेत दिया। काफी देर हो गई, मगर पानी नहीं आया। तभी नादिरशाह को नगाड़े और तुरही की आवाज सुनाई दी। उसे लगा कि शायद कहीं कोई उत्सव मनाया जा रहा है, जिसकी गूंज दूर तक सुनाई दे रही है। ठीक तभी उसकी नजर अनुचरों की भीड़ पर पड़ी। उसने देखा कि वह भीड़ सोने एवं चांदी के थालों में सजाकर चंवर झुलाते हुए पानी की सुराही, गिलास, पानदान एवं पीकदान लिए चली आ रही है। अब नादिरशाह समझ गया कि यह सारा ही आडंबर केवल उसे पानी पिलाने के लिए किया जा रहा है। वह मोहम्मद शाह से बोला-अब मैं समझा कि बहुत विशाल सेना होने पर भी तुम हार क्यों गए? मोहम्मद शाह नादिरशाह की इस बात पर हैरानी से उसकी ओर देखने लगा। तभी नादिरशाह ने एक भिश्ती को अपने पास बुलाया। भिश्ती मशक में पानी लेकर आया। नादिरशाह ने फौरन मशक उड़ेलकर पानी पी लिया। इसके बाद उसने मोहम्मद शाह से कहा कि विलासिता मनुष्य को ले डूबती है। अगर हम भी विलासी प्रवृत्ति के होते तो कभी ईरान से हिंदुस्तान तक नहीं पहुंचते। इंसान सादगी व हिम्मत के साथ अपने कार्यों को करता रहे, तो वह बड़ी से बड़ी विजय हासिल कर सकता है। नादिरशाह को एक लुटेरे के तौर पर ही याद किया जाता है। लेकिन अगर वह बड़े विजेता के रूप में इतिहास में अपना नाम दर्ज करा सका तो इसके पीछे उसकी सादगी की ही भूमिका थी।

रेनू सैनी

सार समाचार

पाक दक्षिण एशिया में शांति स्थापित करने की दिशा में काम करे : अमेरिका

वाशिंगटन। अमेरिका के रक्षा मंत्री जिम मैटिस ने पाकिस्तान को एक कड़ा संदेश जारी करते हुए कहा कि यह समय संयुक्त राष्ट्र, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और दक्षिण एशिया में शांति स्थापित करने की कोशिश कर रहे हर एक के प्रयासों का समर्थन करने का है। उन्होंने कहा कि अगर पड़ोसी देश अफगानिस्तान में युद्ध समाप्त करना है, तो पाकिस्तान को तालिबान के साथ शांति वार्ता में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी। अफगानिस्तान में शांति स्थापित करने की प्रक्रिया में मदद के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान को लिखे पत्र के सवाल पर मैटिस ने यह जवाब दिया। पत्र में, ट्रम्प ने यह स्पष्ट कर दिया था कि इस मुद्दे पर पाकिस्तान का पूर्ण समर्थन एक स्थायी अमेरिकी-पाकिस्तान साझेदारी के निर्माण का 'आधार' होगा। पेंटागन में सोमवार को केंद्रीय रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण का स्वागत करते हुए उन्होंने पत्रकारों से कहा, 'हम उपमहाद्वीप में शांति और अफगानिस्तान (जहां 40 वर्ष से युद्ध जारी है) में युद्ध समाप्त करने का समर्थन करने के लिए हर जिम्मेदार राष्ट्र से अपेक्षा करते हैं।' मैटिस ने कहा, ''अब समय आ गया है कि सब संयुक्त राष्ट्र, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी और शांति स्थापित करने तथा दुनिया को बेहतर बनाने की कोशिश करने वाले हर एक का समर्थन करें।' उन्होंने कहा, 'हम उसी राह पर हैं। राजनयिक रूप से इसका नेतृत्व किया जा रहा है, जैसा कि होना चाहिए और हम अफगान के लोगों की रक्षा के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।'

इंडोनेशिया : पापुआ हमले में 31 लोगों की मौत, एक लापता

जयापुरा। सुरक्षा बल इंडोनेशिया के अशांत पापुआ प्रांत में अलगाववादी हमलों में मारे गये 31 निर्माण श्रमिकों के शव बरामद करने का प्रयास कर रहे हैं. पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी. पापुआ पुलिस के प्रवक्ता सूरयादी दियाज ने बताया कि नडुगा जिले के एक सुदूर पहाड़ी गांव में सरकारी पुल निर्माण परियोजना पर बंदूकधारियों ने हमला कर रविवार को 24 श्रमिकों की हत्या कर दी थी. कई प्रत्यक्षदर्शियों की रिपोर्ट का हवाला देते हुये दियाज ने बताया कि आठ अन्य श्रमिक स्थानीय सांसद के आवास की ओर भाग गये थे लेकिन एक सशस्त्र समूह एक दिन बाद आया और उनमें से सात की हत्या कर दी. आठ बच निकलने में सफल रहे और शेष लापता हैं. दियाज ने बताया, ''सरकार के तेज गति से विकास करने के दौरान हाल ही में सशस्त्र आपराधिक समूह का यह सबसे बुरा हमला सामने आया है.''

पुलिस ने बरादम किए 31 शव

उन्होंने बताया कि सुरक्षा बल सभी 31 शवों को बरामद करने का प्रयास कर रहे हैं. हालांकि शव बिखरे पड़े हैं और उनकी सुरक्षा में जवान तैनात हैं. यह इलाका अलगाववादियों का मजबूत गढ़ है. माना जा रहा है कि अलगाववादियों ने लोगों को निशाना बनाते हुए हमला किया और पूरी वारदात को अंजाम दिया.

जलवायु परिवर्तन के खिलाफ कार्रवाई की राह पर नहीं है विश्व: संयुक्त राष्ट्र

कातोवित्स (एजेंसी)।

सोमवार को पोलैंड में आधिकारिक रूप से शुरू हुए सीओपी24 शिखर सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र ने चेताया कि विश्व विनाशकारी जलवायु परिवर्तन को रोकने की अपनी योजना की राह से दूर है। बेलगाम ग्लोबल वार्मिंग को रोकने के मनुष्य के तरीकों पर चर्चा करने के लिए कई देश पोलैंड में एकत्रित हुए हैं। हाल ही में एक के बाद एक पर्यावरण संबंधी घातक रिपोर्टें सामने आईं जिनमें दिखाया गया कि भूमंडलीय तापमान में बेलगाम इजाफे को रोकने के लिए मानव को अगले दशक के भीतर अपने ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जनों में जबरदस्त कटौती करनी होगी। इन रिपोर्टों पर संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने प्रतिनिधि मंडलों से कहा, ÷हम अब भी बहुत कुछ नहीं कर रहे हैं, न ही तेज गति से बढ़ रहे हैं।÷

खतरे की जद में आने वाले देश फिजी, नाइजीरिया और नेपाल के नेता सीओपी24 जलवायु वार्ता में अपने-अपने देश का मामला रखेंगे। सीओपी24 का लक्ष्य 2015 के पेरिस जलवायु समझौते में जिन वादों पर सहमति बनी थी उन पर और चर्चा करना है। मेजबान पोलैंड खुद कोयले से प्राप्त होने वाली ऊर्जा पर बहुत ज्यादा निर्भर है। वह ''जीवाश्म ईंधन'' छोड़ने के लिये उचित व्यवस्था के अपने एजेंडा पर जोर देगा और आलोचकों का कहना है कि यह उसे दशकों तक प्रदूषण फैलाने की मंजूरी देने जैसा होगा। उल्लेखनीय है कि 2015 के पेरिस जलवायु समझौते पर हस्ताक्षर करने वाले करीब 200 राष्ट्रों को वैश्विक तापमान वृद्धि को दो डिग्री सेल्सियस से नीचे, और संभव हो सके तो 1.5 डिग्री सेल्सियस की सुरक्षित सीमा तक रखने की सहमति बनी थी।

करीब 200 देशों के प्रतिनिधि दो हफ्ते तक इस बात पर चर्चा करेंगे कि व्यावहारिक रूप से इन लक्ष्यों को कैसे प्राप्त किया जा सकता है जबकि विज्ञान की दृष्टि से देखें तो जलवायु परिवर्तन की दर मानवीय प्रयासों को धता बताते हुए बहुत तेजी से बढ़ रही है। यहां धन एक बड़ा विवाद बना हुआ है। पेरिस समझौते के तहत अमीर देशों के विकासशील देशों का वित्तपोषण करने की उम्मीद थी ताकि वे अपनी अर्थव्यवस्थाओं को हरित तौर-तरीकों पर आधारित बना सकें। लेकिन समझौते से अलग होने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फैसले ने कमजोर राष्ट्रों के बीच भरोसे को तोड़ा जिन्हें डर है कि उनकी मदद के लिए पर्याप्त नकद नहीं है।

विश्व बैंक ने सोमवार को 2021-25 के लिए जलवायु कार्य निवेश में 200 अरब डॉलर की घोषणा की जो हरित पहलों के लिए बेहद प्रेरणादायी है लेकिन इसे राष्ट्र के वित्तपोषणों का सहारा चाहिए होगा। संरा की जलवायु पर विशेषज्ञ समिति का कहना है कि सदी के अंत तक 1.5 डिग्री सेल्सियस के लक्ष्य को पाने की आशा तभी की जा सकती है जब जीवाश्म ईंधन से होने वाले उत्सर्जन को वर्ष 2030 तक आधा कर दिया जाए।

युद्ध की संभावना खारिज करते हुए बोले इमरान, जंग नहीं है कश्मीर मुद्दे का हल

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने सोमवार को कहा कि जंग कश्मीर मुद्दे का हल नहीं है और इसे बातचीत के जरिये सुलझाया जा सकता है। खान ने समाचार चैनलों के पत्रकारों के एक समूह को दिये साक्षात्कार में खान ने कहा कि जब तक कि कोई बातचीत शुरू नहीं होती, तब तक कश्मीर मुद्दे को सुलझाने के विभिन्न विकल्पों पर चर्चा नहीं की जा सकती है। जब उनसे कश्मीर मुद्दे को सुलझाने के फॉर्मूला के बारे में पूछा गया तब खान ने कहा कि इसके दो या तीन समाधान हैं, जिसपर चर्चा की गई हैं।

हालांकि, उन्होंने इस बारे में अधिक जानकारी साझा करने से इनकार करते हुये कहा, 'इसपर बात करना अभी काफी जल्दीबाजी होगी।' भारत के साथ किसी युद्ध की संभावना को खारिज करते हुये उन्होंने कहा कि परमाणु हथियार संपन्न दो देश युद्ध नहीं कर सकते क्योंकि इसका परिणाम हमेशा खतरनाक होता है। उन्होंने कहा भारत के साथ शांतिपूर्ण संबंध बनाने के लिए पाकिस्तान अत्यधिक गंभीर है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की सेना और उनकी सरकार भी यही चाहती है।

करतारपुर कॉरिडोर को खोलना 'गुगली' फेंकना नहीं है: इमरान खान

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

करतारपुर कॉरिडोर को लेकर पैदा हुए विवाद को खत्म करने की कोशिश करते हुए प्रधानमंत्री इमरान खान ने सोमवार को कहा कि करतापुर कॉरिडोर को खोलना 'गुगली' फेंकना नहीं, बल्कि यह एक स्पष्ट फैसला था। गौरतलब है कि बृहस्पतिवार को कुरैशी ने कहा था कि प्रधानमंत्री खान ने ऐतिहासिक करतापुर कॉरिडोर के शिलान्यास समारोह में भारत सरकार की उपस्थिति को सुनिश्चित करने के लिए एक 'गुगली' फेंकी। हालांकि, कुरैशी के इस बयान की भारतीय विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने तीखी आलोचना की थी। इमरान खान ने जियो न्यूज से कहा, 'करतापुर कॉरिडोर को खोलना 'गुगली' फेंकना या दोहरा खेल नहीं, बल्कि यह निष्कपट व स्पष्ट निर्णय है।' खान ने कहा कि पाकिस्तान, भारत के साथ शांतिपूर्ण संबंध बनाने के लिए बेहद गंभीर है।

श्रीलंका में मैत्रीपाला सिरिसेना के संसद भंग करने के फैसले पर सुनवाई

कोलंबो (एजेंसी)।

श्रीलंका के राष्ट्रपति मैत्रीपाला सिरिसेना के संसद भंग करने के फैसले के खिलाफ मंगलवार को देश के उच्चतम न्यायालय में सुनवाई शुरू हो गयी। सिरिसेना ने संसद भंग कर प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे को प्रधानमंत्री पद से हटाने के बाद तुरंत चुनाव कराने का आह्वान किया था, जिससे देश में बड़ा संवैधानिक संकट पैदा हो गया। सिरिसेना द्वारा 26 अक्टूबर को विक्रमसिंघे को प्रधानमंत्री पद से हटाए जाने और पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे को प्रधानमंत्री बनाए जाने के बाद से ही श्रीलंका में राजनीतिक संकट बना हुआ है। बाद में सिरिसेना ने संसद का कार्यकाल खत्म होने के 20 महीना पहले ही उसे भंग कर दिया और तुरंत चुनाव कराने का आदेश दिया। हालांकि उच्चतम न्यायालय ने संसद भंग करने के सिरिसेना के फैसले को पलट दिया और तुरंत चुनाव कराने की तैयारियों पर रोक लगा दी। शीर्ष अदालत ने मंगलवार सुबह सिरिसेना के संसद भंग करने के राजपत्रित अधिसूचना के खिलाफ दायर मौलिक अधिकार याचिकाओं पर सुनवाई शुरू की। अदालत के अधिकारियों ने बताया कि प्रधान न्यायाधीश नलिन पेरेरा की अध्यक्षता में सात सदस्यीय पीठ ने सुनवाई शुरू कर दी। अदालत ने 13 नवंबर को एक राजपत्रित अधिसूचना को रद्द करते हुए अंतरिम आदेश जारी किया था जिससे सिरिसेना का संसद भंग करने का आदेश अस्थायी रूप से अवैध हो गया। मामले पर सुनवाई बृहस्पतिवार तक चलेगी। सोमवार को अदालत ने राजपक्षे को बतौर प्रधानमंत्री कामकाज करने से रोक दिया था।

सीतारमण-मैटिस की बैठक, रक्षा और सुरक्षा संबंध आगे बढ़ाने पर सहमत

वाशिंगटन (एजेंसी)।

रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण ने अमेरिका के रक्षा मंत्री जेम्स मैटिस से मुलाकात की और इस दौरान भारत और अमेरिका रक्षा तथा सुरक्षा संबंध तेजी से आगे बढ़ाने के लिए सहमत हुए हैं। मुलाकात में मैटिस ने भारत को पूरे हिंद-प्रशांत क्षेत्र तथा विश्व भर में ''स्थाइत्व प्रदान करने वाली ताकत'' बताया। अमेरिकी रक्षा मंत्री ने अपनी भारतीय समकक्ष के साथ पेंटागन में चौथे दौर की बैठक में सीतारमण का स्वागत किया। भारतीय रक्षा मंत्री अमेरिका की पांच दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर हैं। यहां से वह कैलिफोर्निया में रक्षा मंत्रालय के डिफेंस इनोवेशन यूनिट तथा हवाई में हिंद प्रशांत कमान मुख्यालय जाएंगी।

मैटिस ने सोमवार को सीतारमण का पेंटागन में दोनों नेताओं के लिए हुई प्रतिनिधि स्तर की बैठक में स्वागत करते हुए कहा, ''अमेरिका और भारत ने प्रधानमंत्री(नरेन्द्र मोदी) के शब्दों में, अतीत से चली आ रही हिचकिचाहटों को दूर किया, दोनों देशों ने मित्रता की विरासत को आगे बढ़ाते हुए यह स्पष्ट किया कि सामरिक स्वायत्तता और सामरिक साझेदारी के बीच, कहीं कोई विरोधाभास नहीं है।'' सीतारमण ने अपनी आधिकारिक यात्रा की शुरूआत विदेश मंत्रालय के फॉगी बॉटम मुख्यालय से की, जहां उन्होंने दिवंगत राष्ट्रपति जॉर्ज एच डब्ल्यू बुश के लिए शोक पुस्तिका में शोक संदेश लिखा। इसके बाद वह आर्लिंगटन नेशनल सीमेट्री गईं जहां उन्होंने अज्ञात सैनिकों की कब्र पर पुष्पचक्र समर्पित किया।

मैटिस ने कहा, ''आर्लिंगटन नेशनल सीमेट्री में आज सुबह अपने देश की ओर से सम्मान व्यक्त करने के लिए हमारे मंत्रालय और हमारे सभी सेनाकर्मियों की ओर से आपका आभार व्यक्त करता हूं।''उन्होंने कहा कि सीतारमण की ओर से पुष्पांजलि अर्पित करना यह दिखाता है कि अमेरिका-भारत सैन्य संबंध केवल शब्दों से ही परिभाषित नहीं हैं बल्कि दोनों देशों के बलिदान तथा शांति, मित्रता और स्वतंत्रता को लेकर उनकी साझेदारी के मानवीय पहलू पर आधारित हैं। मैटिस ने कहा कि विश्व के दो सबसे बड़े लोकतांत्रिक देशों ने अपने बीच भिन्न संस्कृति तथा भिन्न इतिहास होने के बावजूद नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के लिए सिद्धांतों, मूल्यों और सम्मान को साझा किया है।

मैटिस ने कहा, अमेरिका-भारत संबंध विश्व के प्राचीनतम और विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के बीच स्वाभाविक साझेदारी है।'' सीतारमण की यह वाशिंगटन डीसी की पहली यात्रा है लेकिन एक साल में दोनों नेताओं की यह चौथी मुलाकात हैं जो भारत और अमेरिका के बीच बढ़ते रक्षा संबंधों को दिखाती है। उन्होंने कहा ''सितंबर में आपके देश की मेजबानी में नयी दिल्ली में टू प्लस टू मंत्री स्तरीय वार्ता होने के बाद खास तौर पर अमेरिका भारत रक्षा सहयोग में हमने सार्थक प्रगति की है।''

मैटिस ने कहा ''क्षेत्र में और पूरी दुनिया में शांति और सुरक्षा को आगे बढ़ाने में और इसके लिए एक स्थिरताकारक ताकत के तौर पर भारत के नेतृत्व की अमेरिका सराहना करता है।''उन्होंने कहा कि सितंबर में संपन्न टू प्लस टू मंत्री स्तरीय वार्ता ने, अपनी रक्षा भागीदारी को और आगे ले जाने की भारत और अमेरिका की प्रतिबद्धता को भी स्पष्ट कर दिया। अमेरिकी रक्षा मंत्री ने कहा, ''आज हम सितंबर में हुए कम्यूनिकेशन्स कम्पैटिबिलिटी एडं सिक्योरिटी एग्रीमेंट (सीओएमसीएएसए) समझौते को लागू करने की दिशा में काम कर रहे हैं।''

वार्ता के दौरान दोनों देशों ने सीओएमसीएएसए पर हस्ताक्षर किए थे जो भारत को आधुनिक सैन्य हार्डवेयर प्राप्त करने की अनुमति देता है। सीतारमण ने टू प्लस टू बैठक को ऐतिहासिक घटनाक्रम बताते हुए कहा कि इससे दोनों देशों के बीच रणनीतिक विचारविमर्श का आधार तैयार हुआ। उन्होंने कहा कि नयी दिल्ली में सितंबर में संपन्न और

अक्टूबर में सिंगापुर में संपन्न टू प्लस टू द्विपक्षीय बैठकें सकारात्मक और सार्थक रहीं। मैटिस के साथ बैठक की शुरूआत में सीतारमण ने कहा कि दोनों देशों के बीच आपसी विश्वास तथा रक्षा साझेदारी में भरोसा बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि नई अमेरिका राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति में भारत-अमेरिका रक्षा संबंधों को जो महत्व दिया गया है उससे वह उत्साहित हैं। सीतारमण ने कहा, ''भारत अमेरिका रक्षा संबंधों की मजबूत नींव वर्षों में पड़ी है। भारत अमेरिका को रक्षा के क्षेत्र में अहम साझेदार के रूप में देखता है।''साथ ही उन्होंने कहा कि दोनों देशों की सेनाओं के बीच बेहतर सहयोग है, इसके अलावा रक्षा, वैज्ञानिक, सह-विनिर्माण और सह-विकास तथा औद्योगिक स्तर पर भी सहयोग का स्तर अच्छा है। यह विश्वास जताते हुए कि द्विपक्षीय वार्ताओं से दोनों देशों के बीच बातचीत और साझेदारी को और तेजी मिलेगी, रक्षा मंत्री ने कहा कि संबंध बहुत मजबूत बने हुए हैं।

सीतारमण ने कहा कि दोनों देशों के बीच हाल में हुई बैठकों ने सकारात्मक तरीके से आगे बढ़ने की दोनों देशों की परस्पर इच्छा को रेखांकित किया है। उच्च-स्तरीय वार्ताएं द्विपक्षीय संबंधों की गहराई और बेहतरी के साथ-साथ क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर साथ मिलकर काम करने की परस्पर इच्छा को दर्शाती हैं। रक्षा मंत्री ने भारत की संवेदनशीलता पर ट्रंप प्रशासन की प्रतिक्रिया की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, ''खासतौर पर पिछले तीन चार वर्षों में हमने उल्लेखनीय प्रगति की है। साझा लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित हमारे संबंधों को दोनों देशों में मजबूत राजनीतिक तथा जन समर्थन मिल रहा है। आपसी विश्वास बढ़ रहा है तथा रक्षा साझेदारी में भरोसा भी है।''

ईरान मिसाइल परीक्षण पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)।

फ्रांस और ब्रिटेन ने ईरान पर इस सप्ताहांत में मिसाइल परीक्षण करने का आरोप लगाते हुए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की एक बैठक बुलाने का अनुरोध किया है। यह बैठक मंगलवार को होनी है। अमेरिका का कहना है कि शनिवार को हुआ मिसाइल परीक्षण 2015 में हुए ईरान परमाणु समझौते का समर्थन करने वाले संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव का उल्लंघन है।

प्रस्ताव में ईरान को परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम मिसाइलों का परीक्षण नहीं करने को कहा गया था। फ्रांस ने कहा कि वह परीक्षण से चिंतित है। विदेश मंत्रालय ने इसे उकसावे वाले तथा अस्थिर करने वाला कदम बताया है।

उसका कहना है कि यह कदम ईरान परमाणु समझौते पर संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव के अनुकूल नहीं है। ब्रिटेन के विदेश मंत्री जेरेमी हंट ने कहा कि यह मिसाइल परीक्षण उकसावे वाला, आतंकित करने वाला और अनुचित है।

साथ ही ब्रिटेन इस बात पर कायम है कि इसे बंद होना चाहिए। ईरान के लिए अमेरिका के राजदूत ब्रायन हुक ने यूरोपीय संघ से ईरान के मिसाइल

कार्यक्रम को लक्षित करके प्रतिबंध लगाने की मांग की है। इस बीच अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ यूरोपीय संघ के नेताओं से बातचीत करने के ब्रसेल्स गए हैं। गौरतलब है कि अमेरिका ने मई, 2018 में स्वयं को 2015 ईरान परमाणु समझौते से अलग कर लिया था।

सूरत। महानगर पालिका संचालित सुमन शाला नं. 1 और 6 में फायर सेफ्टी और रेस्कयु जागृती कार्क्रम का आयोजन किया गया। जिसमें स्कुल के बच्चों को आग लगने और आपातकाल के दौरान अपनी और दुसरों की सुरक्षा कैसे करे इसके बारे में जानकारी दी। इस कार्यक्रम में प्रमोदभाई मिश्रा, प्रदिप भाई शिरसाठ, फायर विभाग के सब फायर अधिकारी रणजितभाई खडीया, रायीसंग पटेल और शाला के अध्यापक दर्शनाबेन परमार महेन्द्र भाई बाविस्कर के साथ शाला के तमाम शिक्षकों के साथ 990 विद्याथियों ने फायर सेफ्टी और रेस्कयु जागृती कार्यक्रम में भाग लिया।

मुख्यमंत्री राहत कोष से मृतक परीक्षार्थी के परिजनों को 4 लाख का मुआवजा

सूरत। लोक रक्षक दल भर्ती के लिए जाने वाली परीक्षा रदद हो जाने के बाद वापस लौटते समय एस.टी बस की चपेट में आकर मृत को प्राप्त परीक्षार्थी को मुख्यमंत्री राहत कोष से 4 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाएगा।

यह घोषणा राज्य के मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने घटना की जानकारी मिलने के बाद की। लोक रक्षक दल भर्ती परीक्षा का प्रश्न पत्र लीक होने की जानकारी मिलते ही परीक्षा बोर्ड के चेयर मैन ने प्रेस कांफ्रेंग कर परीक्षा रद्द करने की घोषणा कर दी। जिससे पौने नौ लाख से अधिक परीक्षार्थी प्रभावित हुए. अचानक परीक्षा रद्द हो जाने से परीक्षाथियों के आक्रोश का भी सामना करना पड़ा। परीक्षा रद्द होने के बाद घर वापस लौट रहे वीजापुर के जतीन की एस.टी बस के चपेट में आने से मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने मुख्यमंत्री राहत कोष से मृतक के परिजनों का 4 लाख रुपये का मुआवजा देने का एलान किया। गुजरात इन दिनों पेपर लीक कांड की चर्चा से गरमाया हुआ है। बुधवार से गुजरात विधान सभा का शीतकालीन सुत्र भी शुरु होने वाला है। आशंका है कि शीतकालीन सत्र में विपक्ष इस मुद्दे को जोर शोर से उठाएगी। पेपल लीक मामले मं सलिप्त आरोपियों के विरुद्ध किस प्रकार की कार्रवाई की गई है इसका जवाब भी सत्ता पक्ष को देना पड़ेगा। इस ध्यान में रखते हुए सत्ता पक्ष तैयारियों मे जुट गया है। शीतकालीन सुत्र में होने वाली कैबीनेट की बैठक में पेपर लीक का मामला तूल पकड़ सकता है। दुर्घटना के लिए जिम्मेदार एस.टी बस के चालक पर भी कार्रवाई के आदेश दे दिए गए है। गौरतलब है कि गुजरात में पहले भी तलाटी की भर्ती के लिए आयोजित परीक्षा से पहले ही पेपर लीक होने का मामला सामने आया था। जिसके बाद तत्काल परीक्षा रद्द करना पड़ा था। उस समय भी परीक्षार्थियों ने जमकर बवाल काटा था। यह मामला भी काफी दिनों तक गर्माया रहा। जांच में कई आरोपी सामने आए परन्तु कार्रवाई न के बराबर हुई।

लिंबायत जोन द्वारा सम्मत्तिकर की वसूली तेज

सूरत। सहायक आयुक्त के मार्गदर्शन मे ंउाकरणी तथा सम्पत्ति कर विभाग के कर्मचारियों द्वारा मंगलवार को क्षेत्र में आने वाले व्यवसायिक केन्द्रों में कर वसूली की कार्रवाई की गई। जिन व्यवसायों का वेरा नहीं भरा गया था उनकी दुकानों में सील मारने की भी कार्रवाई की गई। शहर के रिंग रोड़ स्थित सूरत टेक्सटाईल मार्केट में विभाग द्वारा 41 दिनों में सील मारा गया। जिसमें 26 दुकानों में मालिकों ने स्थल पर 7,28,000 जमा कर दिए। पिछले दो दिनों से विभाग द्वारा की जा रही कार्रवाई में 22,13,000 रुपये से अधिक की वसूली की जा चुकी है। 31 मार्च तक यह कार्रवाई जारी रहने की संभावना है। मनपा की सख्ती को देखते हु लोगों में रोष व्याप्त होने लगा है। लोगों का कहना है कि सूरत में अन्य शहरों की अपेक्षा ज्यादा सम्पत्ति कर लिया जाता है। बावजूद इसके शहर में तमाम बुनियादी सुविधाओं की कमी बै। जिसका संज्ञान शासन प्रशासन को लेनी चाहिए।

पूरे घोटाले में और चार आरोपी की गिरफ्तारी

लोकरक्षक पेपर लीक घोटाले के पीछे दिल्ली गैंग की साजिश

पुलिस जांच में चौंकाने वाला खुलासा : २५ से ३० उम्मीदवारों को ५-५ के ग्रुप में बाय रोड दिल्ली ले गये

अहमदाबाद । लोकरक्षक भर्ती दल पेपर लीक घोटाले में गांधीनगर जिला पुलिस की शहर क्राइम ब्रांच और एटीएस की मदद से शुरू की गई जांच में चौंकाने वाला खुलासा सामने आया है। इसके अनुसार, लोकरक्षक भर्ती दल पेपर लीक घोटाले के पीछे दिल्ली स्थित गैंग का नेटवर्क और साजिश का मंगलवार को पर्दाफाश किया गया था । दिल्ली स्थित गैंग के सदस्यों ने गुजरात के आरोपियों की मदद से पेपर लीक घोटाले को अंजाम दिया गया । जिसमें गुजरात में २५ से ३० उम्मीदवारों को पांच-पांच के ग्रुप में दिल्ली ले गये और वहां अलग-अलग स्थलों पर उनको लोकरक्षक भर्ती दल की परीक्षा का पेपर और इसके सही जवाब के साथ आन्सर शीट शेयर किया गया था । जिसके तहत उम्मीदवारों की तरफ से दिल्ली की गैंग के सदस्यों को पांच-पांच लाख रुपये का कोरा चेक दिया गया था । जो पेपर और आन्सर शीट के जवाब सही हो इसके बाद दिल्ली गैंग के सदस्य उनके बैंक अकाउन्ट में पैसे भरकर ट्रान्सफर कराना था। इसके साथ ही पुलिस ने मंगलवार को पेपर लीक घोटाले में और चार आरोपी की गिरफ्तारी होने से यह घोटाले में कुल गिरफ्तारी का आंकड़ा ८ हुआ है।

पुलिस द्वारा मंगलवार को गिरफ्तार किए गए आरोपियों में अरवल्ली के बायड के परबडी का प्रीतेश नटवरलाल पटेल, मेहसाणा के मेदव का नरेन्द्र पृथ्वीराज चौधरी, बनासकांठा के वडगाम का अजयसिंह मफ्तसिंह परमार और उत्तमसिंह हरिसिंह भाटी शामिल है। पुलिस ने यह आरोपियों के विरूद्ध में महत्व के और निश्चित सबूत को कब्जे में लिया गया है और उनकी पूछताछ के आधार पर घोटाला की महत्व की कडी हासिल की गई थी । जिसके आधार पर आज स्पष्ट हो गया कि लोकरक्षक भर्ती दल पेपर लीक मामले में दिल्ली और गुडगांव स्थित गैंग और नेटवर्क की खतरनाक साजिश सामने आई है । जिसने गुजरात पुलिस भर्ती बोर्ड की परीक्षा का पेपर लेकर गुजरात में परीक्षा देने वाले विद्यार्थियों का संपर्क करके पेपर लीक की पूरी साजिश को अंजाम दिया गया ।

नवागाम रेल्वे लाईन पर अचानक डिमोलेशन से लोगों में आक्रोश

सूरत। रेल्वे प्रशासन द्वारा नवागाम रेल्वे लाईन के किनारे बने झोपड़ियों का डिमोलेशन किए जाने से यहां रह रहे लोगों में भारी आक्रोश देखने को मिला। प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार की सुबह बिना किसी पूर्व सूचना के रेल्वे प्रशासन द्वारा नवागाम रेल्वे पटरी के निकट बने झोपड़ों का डिमोलेशन शुरु कर दिया गया। डिमोलेशन की इस कार्रवाई में लगभग 200 झोपड़ों को हटाया जाना है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हम लोग पिछले 20 से 30 वर्षो से परिवार सहित इस जगह पर रह रहे है। हम लोगों के रहने के लिए प्रशासन द्वारा किसी प्रकार की वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई है। ऐसे में हमारे आसियाने को तोड़ना कितना उचित है। लोगों का कहना है कि महानगर पालिका हमारे पुर्नवास की व्यवस्था करे तो हम स्वच्छिक रुप से यहां से जाने को तौयार है।

उत्तरायन त्यौहार को अब कुछ ही दिन बाकी है लेकिन कारीगर अभी से लग गये है। रस्सी को रंगने की प्रक्रिया शहर में कई हिस्सों में शुरू हो गई है।

सूरत डायमंड हास्पीटल के चेयरमैन सी.पी वानाणी का दुखद अवसान

7 दिसंबर शुक्रवार की शाम 8 बजे से 10 बजे तक होगी तीये की बैठक

सूरत। सूरत डायमंड एसोसिएशन के पूर्व प्रमुख तथा सूरत डायमंड हास्पीटल के चेयर मैन सी.पी वनाणी के पिता श्री परषोत्तमभाई लालजी भाई वनाणी की 88 वर्ष की उम्र में भावनगर के सुरका गांव में सोमवार की सुबह दुखद अवसान हो गया। सदगत स्वर्गीय पुरुषोत्तमभाई लालजी भाई वानाणी के तीए की बैठक सूरत के वराछा मैन रोड़ स्थित मीनी हिरा बाजार में सैराष्ट्र पटेल भवन के गावाणी हाल में रखा गया है। बेठक का कार्यक्रम 7 दिसम्बर शुक्रवार की रात्रि 8 से 10 बजे तक रखी गई है। उनकी उत्र क्रिया 16 दिसंबर को उनके गांव में रखा गया है।

अनुपस्थिति को लेकर ड्यूटी से सस्पेन्ड की सिफारिश की

अहमदाबाद । लोकरक्षक भर्ती दल पेपर लीक मामले में मुख्य सूत्रधार यशपालसिंह अभी पुलिस की गिरफ्तारी से दूर है । यशपालसिंह सोलंकी वडोदरा शहर के वारसीया में स्थित अर्बन प्राइमरी हेल्थ सेन्टर में नौकरी करता था । यशपालसिंह के साथ काम कर चुके इसके सहकर्मचारियों को यशवंत का नाम पेपर लीक घोटाले में आने से दु:ख हुआ । क्योंकि एकदम सीधा लगता व्यक्ति घोटालेबाज निकला । दूसरी तरफ, खुद पुलिस के लिए मुख्य सूत्रधार यशपालसिंह का पूरा केरेक्टर समझना कठिन हो गया है क्योंकि देखने में सरल और मासूम लगता यह आरोपी काफी चालाक और होशियार है । उसने अर्बन प्राइमरी हेल्थ सेन्टर के आईकार्ड में लिखा गया खुद का नाम भी गलत होने का सामने आया है । यशपालसिंह की लगातार अनुपस्थिति को लेकर इसकी ड्यूटी से सस्पेन्ड की सिफारिश की गई थी । इस तरह, यशपालसिंह सोलंकी ने पूरे पुलिस प्रशासन को सक्रिय कर दिया है लेकिन अभी तक यह शिंकजे में नहीं आया है । यशपालसिंह हेल्थ सेन्टर में ११ महीना करार आधारित नौकरी पर लगा था । यशपालसिंह फोर्गिंग का काम करता था । गत ८ अगस्त से २० सितम्बर, २०१८ तक यशपाल ने नौकरी की थी । पिछले कई समय से यशपाल की लगातार अनुपस्थिति सामने आई थी, जिसे लेकर इसे ड्यूटी से सस्पेन्ड की सिफारिश की गई थी । लेकिन किसी की सिफारिश से नौकरी पर लगा था कि, नहीं यह जांच का विषय है । अर्बन प्राइमरी हेल्थ सेन्टर के मेडिकल ऑफिसर जल्पाबहन पटेल ने बताया है कि, यशपाल का नाम जबकि पेपर लीक घोटाले में आया यह हमारे लिए चौंकाने वाला था, यह व्यक्ति कोई इतने बड़े घोटाले के साथ जुड़ा हुआ हो ऐसा नहीं लगता था ।

भाजपा के रावल हिरासत में : भाजपा में सन्नाटा

लोकरक्षक पेपर लीक मामले में और १० हिरासत में लिए

अहमदाबाद । गुजरात पुलिस में लोकरक्षक भर्ती दल की परीक्षा का पेपर लीक घोटाले में पुलिस ने मंगलवार को भाजपा के महामंत्री जयेन्द्र रावल को हिरासत में लिए जाने से सनसनी मच गई है । इसके साथ गांधीनगर सेक्टर-७ पुलिस ने आरोपी मुकेश चौधरी के भाई संदीप खडक, प्रीतेश पटेल, नवाभाई वाघडिया, भरत चौधरी सहित १० आरोपियों को हिरासत में लिया गया है । दूसरी तरफ, पुलिस ने गत दिन हिरासत में लिए गए और दस दिन के रिमांड पर लिए गए भाजपा के कद्दावर दो अग्रणी मनहर पटेल और मुकेश चौधरी, गांधीनगर की श्रीराम होस्टल की महिला रेक्टर रूपल शर्मा और वायरलेस पीएसआई पीवी. पटेल की गांधीनगर सीविल अस्पताल में मेडिकल चेकअप की प्रक्रिया पूरी कराई गई थी । गत दिन पेपर लीक घोटाले में भाजपा के दो अग्रणी मुकेश चौधरी और मनहर पटेल नाम सामने आने पर भाजपा सरकार की कड़ी आलोचना की गई थी, मंगलवार को और एक भाजपा के महामंत्री जयेन्द्र रावल का नाम सामने आने पर इसे हिरासत में लिया गया। अरवल्ली भाजपा द्वारा जयेन्द्र रावल को तत्काल प्रभाव से भाजपा से सस्पेन्ड कर दिया गया था। इस तरह, पेपर लीक मामले में भाजपा के नेताओं और अग्रणी के नाम सामने आने पर भाजपा की प्रतिष्ठा को बहुत बड़ा नुकसान हुआ है। विशेष करके पार्टी की इमेज को नुकसान पहुंचने से हाईकमान्ड भी काफी नाराज हो गया है और अब डेमेज कंट्रोल की कवायद शुरू की गई है। भाज पा सरकार पर यह पूरे मामले में फंस चुकी है और चिंता में डूब गई है। लोकरक्षक भर्ती दल पेपर की आंसर की मनहर पटेल भेजने का था और पेपर बेचने का काम होस्टल से होता था। यह केस के आरोपी गांधीनगर एसपी ऑफिस के सस्पेन्डेड वायरलेस पीएसआई पीवी. पटेल और बायड के अरजनवाव का निवासी आरोपी मनहर पटेल संबंधी है और एक ही समाज के है। पटेल ने अपने दो रिश्तेदार के लिए आंसर की लेना था जबकि अन्य आरोपी मुकेश चौधरी भी उनके समाज का ही है। यह पूरे मामले में मुख्यमंत्री और भर्ती बोर्ड के चेयरमैन विकास सहाय के बीच अलग मतभेद सामने आये । मुख्यमंत्री विजय रुपाणी विवाद की ऐसी तैसी करके अपने सरकार का विचार करके और भाज पा की छवि का विचार करके परीक्षा ली जाए ऐसा चाहते थे और बाद में पेपर लीक घटना मामले में देखा जायेगा यह मतलब का रवैया अपनाया गया, जबकि इसके सामने विकास सहाय को डर था कि, यदि पेपर लीक होने की घटना सामने आए तो बोर्ड के डायरेक्टर की जिम्मेदारी होगी ऐसा था।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित,
संपादक :- सुरेश मौर्या फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100**, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)